MA(Hindi) COURSE DESCRIPTION

हिन्दी साहित्य का इतिहास
(आधुनिक काल)

Paper- MAH 210

इस पेपर का उद्देश्य छात्रों में साहित्येतिहास की समझ को विकसित करना है। यह सिद्ध है कि किसी रचना का निर्माण इतिहास के विशेष कालखंड और ऐतिहासिक परिस्थितियों का प्रतिफलन होता है। इतिहास की इन्हीं परिस्थितियों के साथ रचना की प्रवृत्तियों का तादात्म स्थापित करना इस पेपर का केन्द्रीय हिस्सा है। साथ ही , हिंदी साहित्य के विकास की गति और दिशा को रेखांकित करना है। यह पेपर हिंदी साहित्य के इतिहास के आधुनिक काल से संबंधित है। हिंदी साहित्य का आधुनिक काल कई मायनों में विशेष है। इसकाल में सामाजिक सुधार आंदोलन , साहित्यक आंदोलन और वाद , भारतीय स्वाधीनता आंदोलन का स्वर सुनाई देता है। इन आंदोलनों और वादों के बरअक्स युगीन परिस्थितियों और साहित्यिक प्रवृत्तियों का विश्लेषण कर छात्रों में साहित्य विवेक के साथ ही इतिहास विवेक की महत्ता को आधार प्रदान करना है।

प्रमुख ग्रंथ:-

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य: उद्भव और विकास - डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
4. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह

आधुनिक हिंदी कविता

Paper- MAH 220

यह पेपर पाठ आधारित है। इस पेपर में हिंदी साहित्य के आधुनिक काल के आठ कवियों की कविताओं को शामिल किया गया है। इस पेपर का उद्देश्य छात्रों में आधुनकि काव्य बोध की दिशा और प्रवृत्तियों की समझ को विकसित करना है। आधुनिक काल में कई काव्य आंदोलन और वाद हुए हैं। इन आंदोलनों और वादों की प्रमुख प्रवृत्तियों से परिचय कराना इस पेपर का अहम हिस्सा है। अनुमो दित कवियों की पाठ व्याख्या के क्रम में छात्र आधुनिक काव्यबोध , युगीन परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में कवियों की संवेदना, उनकी सृजनभूमि एवं वर्तमान अर्थवत्ता और भाषिक वैशिष्ट्य से परिचित हो सकेंगे।

प्रमुख ग्रंथ:-

1. समकालीन हिंदी कविता - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
2. नई कविता और अस्तित्ववाद - रामविलास शर्मा
3. निराला की साहित्य साधना - रामविलास शर्मा

4. महाप्राण निराला - गंगाप्रसाद विमल
5. कामायनी एक पुनर्विचार - मुक्तिबोध

हिंदी कथा साहित्य उपन्यास

Paper- MAH 230

इस पेपर का उद्देश्य विद्यार्थियों में उपन्यास विधाकी समझको विकसित करना है। यह सिद्ध है कि किसी भी विधाके निर्माण का उद्देश्य साहित्य की समझ और उद्देश्य को विद्यार्थियों, पाठकों तक पहुँचाना होता है। उपन्यास विधा का भी यही उद्देश्य है। इस पेपर के द्वारा छात्र उपन्यास के उद्भव और विकास के इतिहास को समझ सकेंगे । समाज में समय-समय पर होने वाले परिवर्तनों को औपन्यासिक रचनाओं के माध्यम से छात्रों को समझाने का प्रयत्न किया जाएगा। इस प्रश्न पत्र के माध्यम से छात्रों प्रेमचंद के उपन्यासों से लेकर युगीन प्रतिनिधि उपन्यासों की विशेषताओं को समझ सकेंगे। उपन्यास विधाके माध्यम से प्राचीन से लेकर समकालीन समय में हुए सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक परिवर्तनों का विश्लेषण करना एवं छात्रों में आलोचनात्मक दृष्टि उत्पन्न करनाही इसप्रश्न-पत्र का प्रमुख उद्देश्य है।

प्रमुख ग्रंथ:-

1. हिंदी उपन्यास का इतिहास - गोपाल राय
2. हिंदी उपन्यास एक अंर्तयात्रा - रामदरस मिश्र
3. समकालीन हिंदी उपन्यास - सूरज पाली पाल
4. उपन्यास और लोक जीवन - राल्फफॉक्स

हिंदी साहित्य – अन्य गद्य विधाएँ
(निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, जीवनी, व्यंग्य रचना, एकांकी,रिपोर्ताज, यात्रा वृत्तांत)

Paper- MAH 240

यह पेपर पाठ आधारित है। इस पेपर में हिंदी निबंध , रेखाचित्र, संस्मरण, जीवनी, व्यंग्य रचना, एकांकी, रिपोर्ताज और यात्रा वृतांत के साहित्यिक रूपों को शामिल किया गया है। इस पेपर का लक्ष्य आधुनिक युग के गद्य साहित्य में कथेत्तर साहित्य की पहचान से छात्रों को अवगत कराना है। हिंदी के गद्यात्मक साहित्य के विभिन्न रूपों के प्रति बोध और उनकी प्रवृत्तिगत समझ को विकसित करना है। आधुनिक युग के नवजागरण काल में निबंध के अतिरिक्त हिंदी गद्य के विकास क्रम में विभिन्न

विधाओं की उल्लेखनीय भूमिका रही है , अनुमोदित रचनाओं के पाठ से छात्र कथेत्तर साहित्य की संवेदना , उसकी पृष्ठभूमि, वर्तमान अर्थवत्ता और उसके भाषागत वैशिष्ट्य से परिचित हो सकेंगे।

प्रमुख ग्रंथ :-

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - रामचंद्र शुक्ल
2. प्रतिनिधि हिंदी निबन्धकार - विभुराम मिश्र
3. साहित्य सहचर - हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. *हिंदी का गद्य* साहित्य - *रामचन्द्र तिवारी*
5. हिंदी निबंध के आधार स्तम्भ - हरिमोहन
6. भारतेंदु युग - रामविलास शर्मा
7. हिंदी एकांकीशिल्प विधि का विकास - सिद्धनाथ कुमार
8. हिंदी रेखाचित्र - मक्खन लाल शर्मा
9. गद्य की पहचान - अरुण प्रकाश